

जो कोई माहिर होई भजन में हरभज लावा लीजे



जो कोई माहिर होई भजन में,
हरभज लावा लीजे,
सन्त मिले जठे हरि गुण गाजे,
भर भर अमृत पीजे,
संता हरभज लावा लीजे।

तन मन शिश गुरु के अर्पण,
ज्ञान कडग ले लीजे,
मन में वीरता धारण कर ले,
कायर कपटी भाजे,
संता हरभज लावा लीजे।

शूरवीर सोरण में लड़सी,
कायर दूरा भाजे,
सूरा का शीश पडया धरनी पर,
खेत जीते नहीं भाजे,
संता हरभज लावा लीजे।

जीत जात कर खेत संभाल्या,
माल बहुत सा पाजे,
दुश्मन दूरा भागे जगत का,
बौध गुरु बर्ताजे,
संता हरभज लावा लीजे।

हीरानंद गुरु की कृपा अनहद,
शून्य में रीजे,
संत सन्यासी भवण जीते,
जीवन मुक्ति साजे,
संता हरभज लावा लीजे।

जो कोई माहिर होई भजन में,
हरभज लावा लीजे
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



सन्त मिले जठे हरि गुण गाजे,
भर भर अमृत पीजे,
संता हरभज लावा लीजे।bd।

गायक / प्रेषक – बाबूलाल प्रजापत ।
9983222294
